16/75 5786/06

भारतीय गैर न्यायिक

Rs 20000 रु Rs 20000 रु

बीस हज़ार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

सत्यमेव जयते

Rs 20000 रु INDIA NON JUDICIAL Rs 20000 रु

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 062664

TRY.LKO.

विक्रय विलेख

विक्रय मूल्य	: रू0 5,65,630/-
बाजारू मूल्य	: रू0 3,14,875/-
स्टाम्प शुल्क	: रू0 56,600/-
परगना	: बिजनौर

यह विक्रय विलेख जयमंगल पुत्र भृगुनाथ, निवासी–धरवार कला, पोस्ट–अशर्फाबाद, जि. गाजीपुर, मु.न.घुसवल, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ जिन्हे आगे विक्रेता

नि॰ जयमंगल

नि॰ बा॰ मौनी

1-7-08

20000

नाम ... जोशी

स० रोकड़िया मुख्य रोकड़िया

रु० 262630/-

5000 / 40 = 6040/-

जयमंगल पुत्र/पत्नी भृगुनाथ

खेती खोराबार कला गाजीपुर

3706 (2) 1

नि० जयमंगल

3706

... से प्राप्त ... पूर्ण प्रतिफल ...

जयमंगल उक्त एवं विक्रेता जिसे मैं निजी तौर

बूस करते हैं शिनाख्त पूर्ण प्रतिफल

भारतीय गैर न्यायिक

Rs 20000 रु

बीस हज़ार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

062665

कोषागार लखनऊ से जारी

20 JUN 2006

स. को. अ./कोषाधिकारी

कोषागार लखनऊ

TRY. LKO

कहा गया है, एवम् मौनी पुत्र पूरन कोरी निवासी–ग्राम मिर्जापुर भिटारी, पोस्ट–नौगाँव, जिला फतेहपुर, जिसे आगे क्रेता कहा गया है, के मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रेता भूमि खसरा नं0 264 रकबा 0.2290 हेक्टेअर, स्थित ग्राम मुजफ्फरनगर घुसवल, परगना–बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ के मालिक, कामिल व काबिज है तथा सत्यापित षटवार्षिक खाता खतौनी क्रम संख्या 00065 के

नि. जयप्रकाश

नि. अं. मौनी

आवास होता नगर, लखनऊ

दिनांक 1-7-08

मूल्य 20000 कोर्ट स्टाम्प

नाम मैत्री

द्वारा

स० रोकड़िया मुख्य रोकड़िया

जिनकी पहचान श्री सुनील गौतम

पुत्र श्री आर.एस. गौतम बापट

नि० लालबाग लखनऊ

व श्री भगवान

पुत्र स्व० जमुना प्रसाद बापट

नि० धारावाही आलमबाग लखनऊ

उप निबन्धक-प्रथम

लखनऊ

नि.अ. जयमंगल

नि.अ. मैत्री 3-706

उप निबन्धक के समक्ष ... अंगूठे निशान ... लिये गये हैं।

उप निबन्धक-प्रथम

लखनऊ

3-706

15000रु. भारतीय गैर न्यायिक 15000रु.

INDIA NON JUDICIAL

पन्द्रह हजार रुपये

RUPEES FIFTEEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

Rs.15000 भारत INDIA Rs.15000

03BB 565541

अनुसार विक्रेता के नाम का अमल दरामद राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विक्रेता अपना सम्पूर्ण हिस्सा क्रेता को इस विक्रय विलेख द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेता उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कामिल व काबिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रेता यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विक्रेता ने उसे इस विक्रय के पूर्व कहीं बय, हिबा, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नही किया है। उपरोक्त भूमि या

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 613465

TRY. LKO.

उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के अर्न्तगत विवाद का वस्तु विषय नही है, न ही कुर्क इत्यादि है। विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नही है, एवं विक्रेता को उक्त विक्रय अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रु0 5,65,630/– (रूपया पांच लाख पैंसठ हजार छः सौ तीस रूपया) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त क्रेता द्वारा विक्रेता की इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु.   Rs.500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रूपये FIVE HUNDRED RUPEES

के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेता यहाँ स्वीकार करते हैं, तदानुसार उक्त विक्रेता उक्त क्रेता के हाथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रय विलेख के अन्त मे अनुसूची के अर्न्तगत दिया गया है, को कतई बेच दिया है, एवं विक्रेता ने विक्रयशुदा भूमि का मौके पर कब्जा क्रेता को बखूबी करा दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विक्रेता तथा उसके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेता ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH B 368953

व हमेशा के लिए क्रेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वाामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेगे। विक्रेता उसमें किसी प्रकार की अड़चन बाधा नही डाल सकेंगे एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे। और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेता के स्वामित्व में त्रुटि के कारण या कानूनी अड़चन या कानूनी त्रुटि के कारण क्रेता या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या

स्वत्व से निकल जाये तो क्रेता उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना समस्त नुकसान मय हर्जा व खर्चा, विक्रेता की चल, अचल सम्पत्ति से जरिये अदालत वसूल कर ले। उस स्थित में विक्रेता एवं उसके वारिसान हर्जा व खर्चा देने हेतु बाध्य होगा।

यह कि क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति की दाखिल खारिज राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा लें तो विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख के पूर्व का अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेता भुगतान व वहन करेगें, विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम मुजफ्फर नगर घुसवल, अर्धनगरीय क्षेत्र के विशिष्ठि ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरकिल रेट रू0 13,75,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब से विक्रीत भूमि 0.2290 हेक्टेअर की मालियत रू0 3,14,875/- होती है, चूंकि विक्रय मूल्य भूमि की बाजारू मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रू0 56,600/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए क्रय की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नही है, तथा 200 मी0 के अर्धव्यास मे

कोई निर्माण नही है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नही है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड से लगभग दो किलोमीटर से अधिक व शहीद पथ से 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेता व क्रेता दोनो अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय विलेख के निबन्धन का समस्त व्यय क्रेता द्वारा वहन किया गया है।

परिशिष्ट : विवरण विक्रयशुदा सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा नं0 264 रकबा 0.2290 हेक्टेअर, स्थित ग्राम मुजफ्फरनगर घुसवल, परगना–बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ जिसकी चौहद्दी निम्न है।

खसरा न0 264

उत्तर : खसरा संख्या–265
दक्षिण : खसरा संख्या–263
पूरब : खसरा संख्या–276
पश्चिमः खसरा संख्या–244

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

1. विक्रेता को रू0 5,00,000/– (रूपया पांच लाख रूपया मात्र), द्वारा चेक संख्या–457630 दिनांकित 21.06.2006 पंजाब नेशनल बैंक, हजरतगंज, लखनऊ, क्रेता से प्राप्त हुए तथा जिसकी प्राप्ति विक्रेता स्वीकार करते हैं।

2. विक्रेता को रू0 65,630/– (रूपया पैंसठ हजार छः सौ तीस रूपया), द्वारा चेक संख्या–457631 दिनांकित 21.06.2006 पंजाब नेशनल बैंक, हजरतगंज, लखनऊ,

क्रेता से प्राप्त हुए तथा जिसकी प्राप्ति विक्रेता स्वीकार करते हैं।

इस प्रकार कुल विक्रय मूल्य विक्रेता को रू0 5,65,630/- (रूपया पांच लाख पैंसठ हजार छः सौ तीस रूपया) क्रेता से प्राप्त हुए तथा जिसकी प्राप्ति विक्रेता स्वीकार करते हैं।

लिहाजा यह विक्रय पत्र हम विक्रेता ने क्रेता के पक्ष में समक्ष गवाहान बिना किसी जोर दबाव के, व स्वस्थ चित्त व मन की दशा में लिख दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आवें।

लखनऊ
दिनांकः 01.07.2006

गवाह

1. श्री सुनील श्रीवास्तव S/O आर. एल. श्री
लाल बाग, लखनऊ

विक्रेता

2. Shri Bhagwan
S/O Late Sri Jamunaprasad
554/152/6 Chhota Barha
Alambagh, Lucknow

क्रेता

टाईपकर्ता

(राम सनेही)

मसविदाकर्ता

(बेंकट रमण सिंह)
एडवोकेट

ग्राम [illegible] परगना [illegible] तहसील व जिला- [illegible]

खसरा संख्या- 264

रकबा- 0.229 हे.

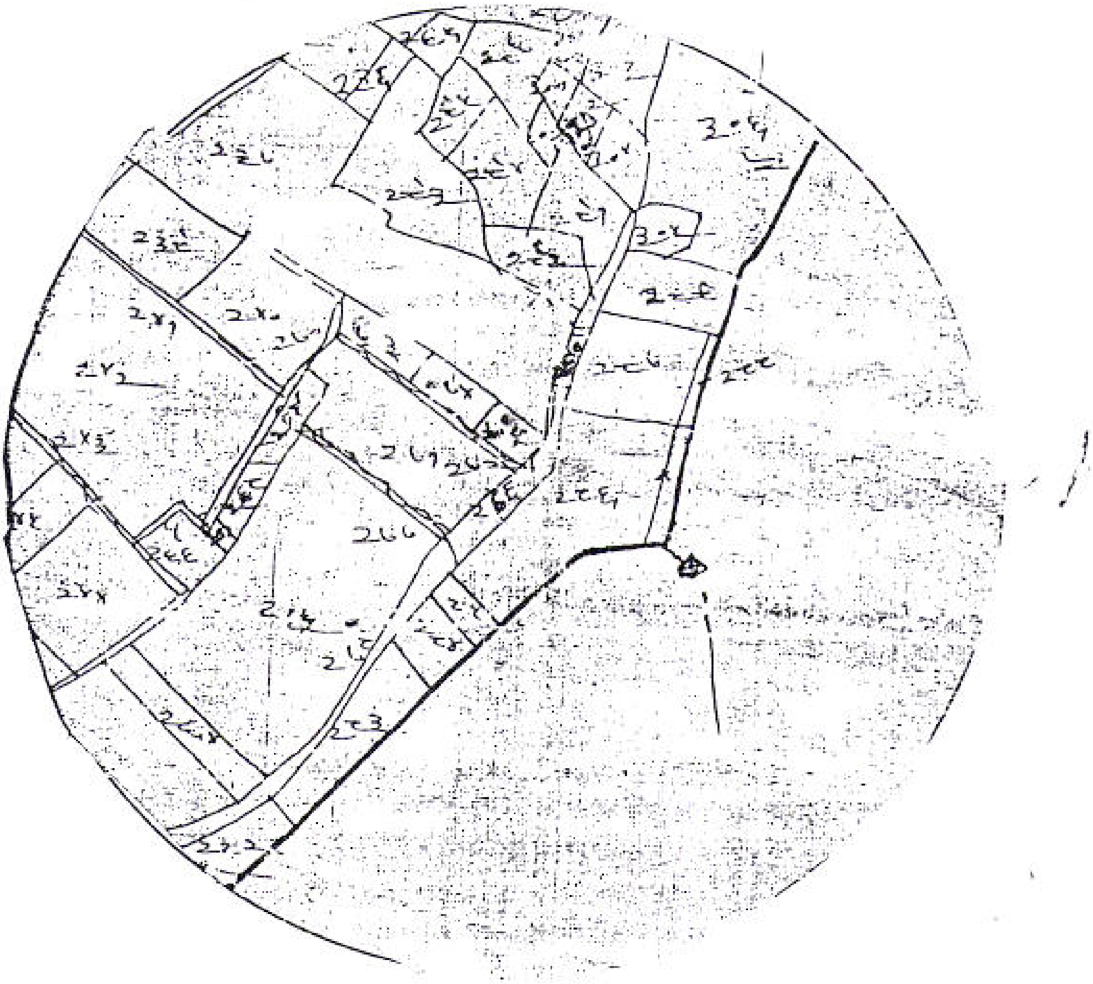

विक्रेता

क्रेता

रजिस्ट्रेशन अधि0 1908 की धारा – 32 ए0 के अनुपालन हेतु, फिंगर्स प्रिन्टर्स

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता नाम व पता :- [illegible]

बांये हांथ की की अंगुलियों के चिन्ह :-

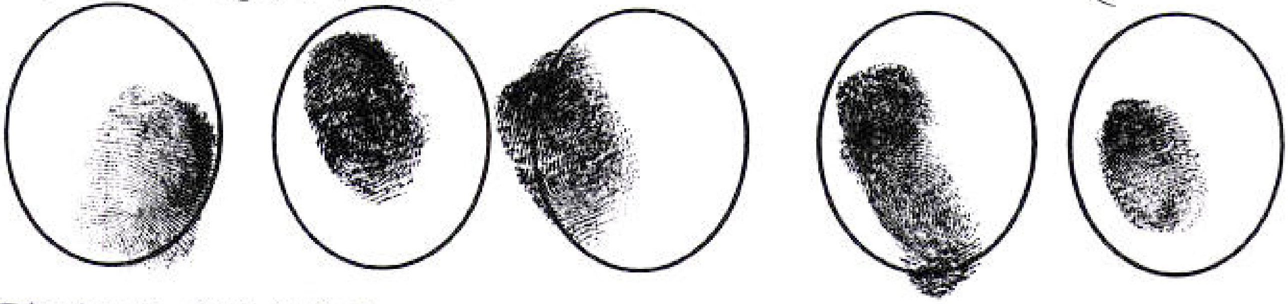

दाहिने हांथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर [illegible]

विक्रेता/क्रेता नाम व पता :- [illegible]

बांये हांथ की की अंगुलियों के चिन्ह :-

दाहिने हांथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

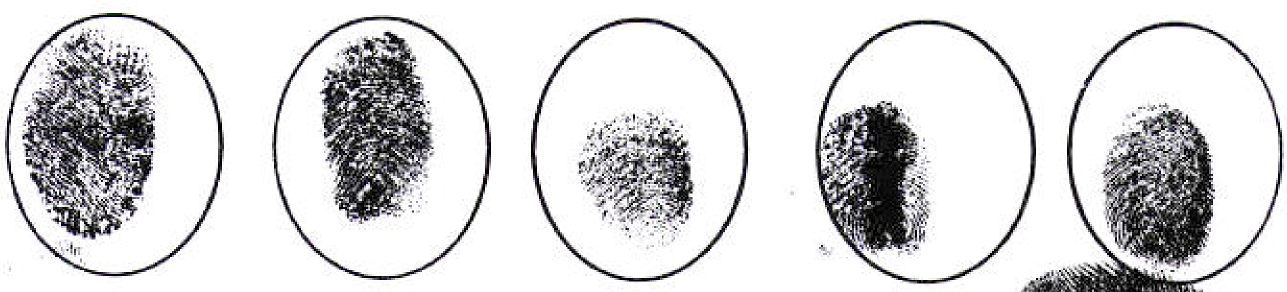

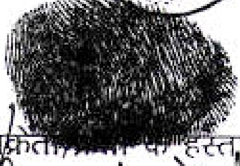

विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर [illegible]

आज दिनांक 3-7-06 को 7677

पुस्तक सं. I जिल्द

पृष्ठ 39 पर क्रम संख्या 5786

रजिस्ट्री क्र. 60

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ